UNIVERSITY NEWS 26 APRIL 2026

AMAR UJALA

मनप्रियम का देशभर में चौथा स्थान

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्र मनप्रियम ने एक बार फिर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट (पीजी) में ऑल इंडिया चौथी रैंक हासिल की है। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) की ओर से आयोजित इस परीक्षा के परिणाम शुक्रवार देर शाम घोषित किए गए। बीएससी छठे सेमेस्टर के छात्र मनप्रियम ने गणित विषय में परीक्षा दी थी और 300 में से 259 अंक प्राप्त कर यह उपलब्धि हासिल की। मनप्रियम का कहना है कि राष्ट्रीय स्तर की इन परीक्षाओं में सफलता के बाद अब उन्हें देश के शीर्ष संस्थानों में गणित की उच्च शिक्षा और शोध के अवसर मिलेंगे। कानपुर रोड स्थित हिंद नगर निवासी मनप्रियम की माता पंखुड़ी सिंह गृहिणी हैं, जबकि उनके पिता यदुनाथ सिंह मुरारी किसान होने के साथ रचनात्मक कार्यों से भी जुड़े हैं। (संवाद)

नौ पीएचडी पाठ्यक्रमों की उत्तर कुंजी जारी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने सत्र 2025-26 की पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया के तहत नौ पाठ्यक्रमों की उत्तर कुंजी शनिवार को जारी की हैं। येउत्तर कुंजी वेबसाइट www.lkouniv.ac.in पर उपलब्ध हैं। प्रवक्ता डॉ. मुकुल श्रीवास्तव ने बताया कि जिन पाठ्यक्रमों में उत्तर कुंजी जारी हुई उनमें एप्लाइड इकोनॉमिक्स, रसायन विज्ञान, प्रबंधन अध्ययन और मध्यकालीन व आधुनिक भारतीय इतिहास शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, जंतु विज्ञान, भौतिकी, मानवशास्त्र, हिंदी और भूविज्ञान जैसे विषयों की उत्तर कुंजी भी उपलब्ध है। यह सभी पाठ्यक्रम सत्र 2025-26 के पीएचडी प्रवेश के लिए हैं। (संवाद)

पीएचडी के बीच नौकरी मिलने पर अब पढ़ाई नहीं होगी प्रभावित

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में पीएचडी अध्यादेश-2026 को विद्या परिषद के बाद कार्यपरिषद से भी मंजूरी मिल गई है। नए प्रावधानों के लागू होने से शोधार्थियों को बड़ी राहत मिलेगी। अब पीएचडी के दौरान यदि किसी विद्यार्थी को नौकरी मिलती है तो उसे शोध बीच में छोड़ना नहीं पड़ेगा।

प्रवक्ता डॉ. मुकुल श्रीवास्तव के अनुसार, नया अध्यादेश शोध की गुणवत्ता सुधारने, लचीलापन बढ़ाने और छात्र-केंद्रित अकादमिक माहौल को मजबूत करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। पूर्णकालिक शोधार्थी स्थायी रोजगार मिलने पर पाठ्यक्रम पूरा करने के बाद अंशकालिक पंजीकरण में परिवर्तित हो सकेंगे। यह व्यवस्था वर्तमान शोधार्थियों पर भी लागू होगी। नए नियमों में शोध विषय के विकास की अनुमति भी दी गई है, जिससे शोधार्थी प्रारंभिक चरण में विषय तय करने के बाद अंतिम थीसिस जमा करने तक संशोधन कर सकेंगे।

लखनऊ विश्वविद्यालय में नया पीएचडी अध्यादेश कार्यपरिषद से भी मंजूर

पूर्णकालिक से अंशकालिक पंजीकरण में बदलाव की सुविधा, शोध में लचीलापन

> नए अध्यादेश के बाद अब ऑनलाइन थीसिस मूल्यांकन और सॉफ्ट कॉपी जमा करना अनिवार्य कर दिया है। हम शोधार्थियों को अधिक अकादमिक स्वतंत्रता देना चाहते हैं, साथ ही मजबूत नैतिक नींव और सटीक शोध परिणाम सुनिश्चित करना चाहते हैं। यह अध्यादेश डॉक्टोरल शिक्षा को मजबूत करने की दिशा में एक जरूरी कदम है। - **प्रो. जेपी सैनी**, कुलपति लखनऊ विश्वविद्यालय

अध्यादेश के तहत तेज प्रगति करने वाले शोधार्थियों को कुलपति की अनुमति से थीसिस जमा करने की समय सीमा में अधिकतम छह माह की छूट दी जा सकती है, हालांकि अंतिम मौखिक परीक्षा न्यूनतम तीन वर्ष पूरे होने के बाद ही होगी। अंशकालिक शोधार्थियों के लिए शोध अवधि में कम से कम 120 दिनों तक विवि से जुड़ाव अनिवार्य किया गया है।

इसके अलावा, दो-क्रेडिट का 'रिसर्च और पब्लिकेशन एथिक्स' पाठ्यक्रम अनिवार्य किया गया है, जिसे ऑनलाइन माध्यम से पूरा करना होगा। शोध की निगरानी के लिए रिसर्च एडवाइजरी कमेटी (आरएसी) की बैठकें अब वर्ष में दो बार जनवरी और जुलाई में होंगी।

पीएचडी शोधार्थियों को थीसिस जमा करने से पहले दो शोध-पत्र प्रकाशित करना अनिवार्य होगा। विश्वविद्यालय के माध्यम से दायर पेटेंट को एक शोध प्रकाशन के बराबर माना जाएगा, जिससे अनुप्रयुक्त शोध और बौद्धिक संपदा सृजन को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

लविवि : सीयूईटी मेरिट से होंगे बीफार्मा में प्रवेश

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने सत्र 2026-27 के लिए बीफार्मा पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए सूचना जारी की है। ये प्रवेश केंद्रीय विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी-यूजी) 2026 की योग्यता सूची के आधार पर लिए जाएंगे। विश्वविद्यालय के फार्मेसी संस्थान में संचालित इस पाठ्यक्रम के लिए सीयूईटी-यूजी परीक्षा में शामिल अभ्यर्थी www.lkouniv.ac.in पर समर्थ पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। आवेदन की अंतिम तिथि सात जून है। बीफार्मा प्रवेश के लिए इंटरमीडिएट में भौतिकी, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान या गणित विषय में उत्तीर्ण होना जरूरी है। आवेदन करते समय ईमेल आईडी भरनी होगी। इसी ईमेल पर ओटीपी भेजा जाएगा। इसके बाद विद्यार्थियों को पूरा ब्योरा भरना होगा। इसमें नाम, पिता का नाम और माता का नाम जैसी जानकारी शामिल है। इसके बाद 100 रुपये लर्न पंजीकरण शुल्क ऑनलाइन जमा करना होगा। (संवाद)

DAINIK JAGRAN

सीयूईटी पीजी में लवि के मनप्रियम को आल इंडिया चौथी रैंक

लखनऊ : लवि के छात्र मनप्रियम ने मेधा का परचम फहराते हुए राजधानी का मान बढ़ाया है। उन्होंने नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) द्वारा आयोजित कामन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट (सीयूईटी) में आल इंडिया चौथी रैंक हासिल की है। इससे पूर्व आइआइटी ज्वाइंट एडमिशन टेस्ट फार मास्टर्स (जैम) परीक्षा में आल इंडिया 45वीं रैंक प्राप्त की थी।

मनप्रियम लवि में बी.एससी. छठे सेमेस्टर के छात्र हैं। गणित में सीयूईटी (पीजी) दी थी। परीक्षा का परिणाम घोषित हुआ, जिसमें उन्होंने 300 में 259 अंक अर्जित किए। मनप्रियम का कहना है कि मुझे राष्ट्रीय स्तर की दोनों ही परीक्षाओं में उल्लेखनीय सफलता के बाद गणित की उत्कृष्ट उच्च शिक्षा और शोध के लिए देश के शीर्ष शिक्षा संस्थानों में दाखिले का अवसर मिला है। मैं राजधानी के कानपुर रोड स्थित हिंदनगर में रहता हूं और लखीमपुर-खीरी मूल निवासी निवासी हूं। मेरी माता पंखुड़ी सिंह गृहिणी हैं। पिता यदुनाथ सिंह मुरारी किसान और रचनाधर्मी हैं। वि.

परामर्श नीति अनुमोदित, शोधार्थियों को शोध के लिए किया जा रहा प्रोत्साहित

लखनऊ विश्वविद्यालय ने भी नवाचार को बढ़ावा देने के लिए अपनी नीतियों को मजबूत किया है। कैंपस में बौद्धिक संपदा अधिकार सेल की स्थापना की गई है, जो शोधार्थियों और संकाय सदस्यों को उनके शोध कार्यों का पेटेंट कराने में सहायता देती है।

हाल ही में अनुमोदित नई परामर्श नीति के तहत शिक्षकों और शोधार्थियों को न केवल शोध के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है, बल्कि उन्हें अपने आविष्कारों को व्यावसायिक रूप देने के लिए एक पारदर्शी और सहायक ढांचा भी उपलब्ध कराया गया है। विश्वविद्यालय का इंक्यूबेशन सेंटर स्टार्टअप्स को बढ़ावा दे रहा है, जिससे छात्र-छात्राएं अपने आइडिया को बिजनेस

में बदलने की दिशा में कदम बढ़ा रहे हैं। विश्वविद्यालय ने शोध और पेटेंट को बढ़ावा देने के लिए कई विशेष नीतियां और सुविधाएं लागू की हैं, जिससे विश्वविद्यालय की वैश्विक रैंकिंग में भी सुधार हुआ है।

कुलपति प्रो. जे.पी. सैनी ने कहा कि हमारा उद्देश्य लखनऊ विश्वविद्यालय को केवल एक शिक्षण संस्थान न रखकर एक 'नालेज पावरहाउस' बनाना है। हम अपने शोधार्थियों को ऐसा वातावरण दे रहे हैं, जहां उनके मौलिक विचारों को न केवल सराहा जाए, बल्कि उन्हें पेटेंट और ट्रेडमार्क के रूप में सुरक्षित भी किया जाए। इसके तहत शोधार्थियों की ओर से फाइल किए गए पेटेंट की संख्या में बढ़ोतरी भी हुई है। विश्वविद्यालय अब केवल सैद्धांतिक शोध तक सीमित नहीं है, बल्कि 'लैब टू लैंड' के विजन पर काम कर रहा है।

SWATANTRA BHARAT

लविवि में नया पीएचडी अध्यादेश लागू

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने कहा कि पीएचडी अध्यादेश 2026 हमारे शोध पारिस्थितिकी की उस दृष्टि को दर्शाता है, जो कठोर और लचीला दोनों है। हम शोधार्थियों को अधिक अकादमिक स्वतंत्रता देना चाहते हैं, साथ ही मजबूत नैतिक नींव और मापनीय शोध परिणाम सुनिश्चित करना चाहते हैं। ये सुधार नवाचार, अंतर विषयक खोज और उच्च गुणवत्ता वाले डॉक्टोरल कार्य की समय पर पूर्णता को वैश्विक अकादमिक मानकों के अनुरूप समर्थन देंगे।

शनिवार को पीएचडी अध्यादेश 2026 को अकादमिक परिषद और कार्यकारी परिषद द्वारा पारित किया। इसमें शोध की गुणवत्ता को बढ़ाने, डॉक्टोरल प्रगति में लचीलापन देने और छात्र-केंद्रित अकादमिक वातावरण को मजबूत करने के लिए व्यापक सुधार शामिल हैं। संशोधित ढांचा विश्वविद्यालय की इस प्रतिबद्धता को दर्शाता है कि डॉक्टोरल शिक्षा को वैश्विक शोध मानकों के अनुरूप बनाया जाए, साथ ही अकादमिक कठोरता और ईमानदारी को बनाए रखा जाए। एक महत्वपूर्ण प्रावधान तेज सीखने वाले शोधार्थियों के लिए है। ऐसे शोधार्थियों को थीसिस जमा करने की समयसीमा में अधिकतम छह महीने की कमी की अनुमति दी जा सकती है, बशर्ते कि कुलपति की स्वीकृति प्राप्त हो। हालांकि अंतिम मौखिक परीक्षा (वाइवा-वोसे) केवल न्यूनतम तीन वर्ष की अवधि पूरी होने के बाद ही आयोजित की जाएगी। आंशिककालिक (पार्ट-टाइम) शोधार्थियों के लिए अध्यादेश में संरचित सहभागिता अनिवार्य की गई है। शोध अवधि के दौरान उन्हें न्यूनतम 120 दिनों तक विश्वविद्यालय से जुड़ाव बनाए रखना होगा। पंजीकरण के समय शोधार्थियों को एक शपथपत्र देना होगा और पर्यवेक्षक इस जुड़ाव का प्रमाणीकरण करेंगे, जिससे सतत अकादमिक मार्गदर्शन और सार्थक शोध सुनिश्चित होगा। अध्यादेश में अकादमिक प्रगति में लचीलापन भी जोड़ा गया है। पूर्णकालिक शोधार्थी यदि स्थायी रोजगार प्राप्त कर लेते हैं या वास्तविक कारणों से पूर्णकालिक स्थिति में जारी नहीं रह सकते, तो वे पाठ्यक्रम पूरा करने के बाद आंशिककालिक पंजीकरण में परिवर्तित हो सकते हैं। इसके लिए शुल्क समायोजन लागू होगा। यह प्रावधान सभी वर्तमान शोधार्थियों पर भी लागू होगा।

DAINIK JAGRAN

पीएचडी अध्यादेश स्वीकृत, तीन वर्ष बाद ही होगी मौखिक परीक्षा

जागरण संवाददाता • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने अपना नया पीएचडी अध्यादेश-2026 अकादमिक परिषद और कार्यकारी परिषद दोनों में स्वीकृत कर दिया है। इसमें शोध की गुणवत्ता को बढ़ाने व छात्र-केंद्रित अकादमिक वातावरण को मजबूत करने सहित कई व्यापक सुधार शामिल हैं। शोधार्थियों को समय सीमा से छह महीने पहले थीसिस जमा करने की अनुमति दी जा सकती है, बशर्ते कुलपति की स्वीकृति प्राप्त हो। हालांकि अंतिम मौखिक परीक्षा न्यूनतम तीन वर्ष की अवधि पूरी होने के बाद ही आयोजित की जाएगी।

कुलपति प्रो. जे.पी. सैनी ने बताया कि आंशिककालिक (पार्ट-टाइम) शोधार्थियों के लिए अध्यादेश में संरचित सहभागिता अनिवार्य की गई है। शोध अवधि के दौरान उन्हें न्यूनतम 120 दिनों तक विश्वविद्यालय से जुड़ाव बनाए रखना होगा। पंजीकरण के समय शोधार्थियों को एक शपथपत्र देना होगा और पर्यवेक्षक इस जुड़ाव का प्रमाणीकरण करेंगे, जिससे सतत अकादमिक मार्गदर्शन और सार्थक शोध सुनिश्चित करना होगा।

पूर्णकालिक शोधार्थी यदि स्थायी रोजगार प्राप्त कर लेते हैं या वास्तविक कारणों से पूर्णकालिक स्थिति में जारी नहीं रह सकते तो वे पाठ्यक्रम पूरा करने के बाद आंशिककालिक पंजीकरण में परिवर्तित हो सकते हैं। इसके लिए शुल्क समायोजन लागू होगा। यह प्रविधान सभी वर्तमान शोधार्थियों पर लागू होगा। गतिशील शोध डिजाइन को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय ने अब शोध विषयों के विकास की अनुमति दी है। शोधार्थी प्रारंभिक स्तर पर एक अस्थायी शोध क्षेत्र से शुरुआत कर सकते हैं और अंतिम

- अध्यादेश में दो-क्रेडिट का रिसर्च एंड पब्लिकेशन एथिक्स पाठ्यक्रम अनिवार्य
- अब समय सीमा से छह माह पहले थीसिस जमा करने की मिल सकेगी अनुमति

विषय को थीसिस जमा करने तक परिष्कृत कर सकते हैं। महत्वपूर्ण बात यह है कि विषय परिवर्तन के बाद अतिरिक्त समय विस्तार की पूर्व आवश्यकता को समाप्त कर दिया गया है, जिससे प्रक्रियात्मक विलंब कम होगा और शोध में अनुकूलनशीलता बढ़ेगी। अध्यादेश में दो-क्रेडिट का रिसर्च एंड पब्लिकेशन एथिक्स पाठ्यक्रम अनिवार्य किया गया है।

शोध की व्यवस्थित निगरानी के लिए अब रिसर्च एडवाइजरी कमेटी की बैठकें जनवरी और जुलाई में (साल में दो बार) आयोजित होंगी। पहले ये बैठकें हर छह महीने पूरे होने पर आयोजित होती थीं, जिससे विभागों में सालभर बैठकें होती रहती थीं। पीएचडी शोधार्थियों को थीसिस जमा करने से पहले दो शोध-पत्र समीक्षित या संदर्भित पत्रिकाओं में प्रकाशित करने होंगे। नवाचार-उन्मुख प्रावधान के तहत लवि के माध्यम से दाखिल किया गया पेटेंट एक शोध प्रकाशन के बराबर माना जाएगा। विश्वविद्यालय ने पूरी तरह आनलाइन थीसिस मूल्यांकन और साफ्ट कापी जमा करना अनिवार्य कर दिया है।

NBT

LU में थर्ड पार्टी असेसमेंट से होगी निर्माण की जांच

NBT रिपोर्ट, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में अब सरकारी एजेंसियों के निर्माण की भी गुणवत्ता जांची जाएगी। विवि की ओर से निर्माण को लेकर अब नई पॉलिसी तैयार की गई है। इसके तहत विवि में जो भी निर्माण कार्य होंगे, उनकी जांच अब बाहरी एजेंसियों से करवाया जाएगा। यह बाहरी एजेंसी अब जांच कर सीधे रिपोर्ट विवि के वीसी को देगी। मानक के अनुरूप निर्माण हो रहा है या नहीं, निर्माण में जो भी सामग्री उपयोग की जा रही है, उसकी गुणवत्ता से लेकर निर्माण की शर्तों तक की जांच सब एजेंसी की ओर से की जाएगी। इससे निर्माण में होने वाली धांधली को रोका जा सकेगा।

अब तक जो भी निर्माण कार्य होते हैं, उसके लिए विवि में निर्माण विभाग अलग से बनाया गया है। उसके निर्देशन में ही निर्माण कार्य होता है। सरकारी अनुदान से बनने वाली बिल्डिंग सरकारी एजेंसियों से करवाई जाती है लेकिन उसकी निगरानी निर्माण अधीक्षक करता है। प्रो. आलोक राय के कार्यकाल में हुए निर्माण कार्य के खिलाफ कई शिकायतें आई हैं। बाजार की तुलना में कई गुना ज्यादा बिल पास करवाने के आरोप लगे हैं। इन्हीं सब पर रोक के लिए विवि की ओर से अब थर्ड पार्टी असेसमेंट को लागू किया गया है।

> एलयू में होने वाले सभी निर्माण कार्यों का अब थर्ड पार्टी असेसमेंट करवाया जाएगा। इससे निर्माण कार्यों में पारदर्शिता आ सकेगी और गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सकेगी।
>
> *– प्रो. जेपी सैनी, एलयू वीसी*

TOI

LU boy gets AIR 4 in CUET (PG)

Lucknow: Manpriyam, a BSc third year student of Lucknow University, has secured All-India Rank 4 in the Common University Entrance Test (PG) conducted by the National Testing Agency (NTA).

He appeared for the CUET (PG) exam in Mathematics and scored 259 out of 300 marks. The results were declared on Friday. He has also secured All-India Rank 45 in the IIT JAM (Joint Admission Test for Masters) examination whose result was declared last month.

Manpriyam plans to pursue research in mathematics at a top institution in the country. He credited his success to self-study.

SWATANTRA BHARAT

लविवि में स्नातक प्रवेश प्रक्रिया शुरू

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। विश्वविद्यालय द्वारा शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए स्नातक प्रवेश प्रक्रिया का औपचारिक शुभारंभ कर दिया गया है। विश्वविद्यालय की केंद्रीय प्रवेश प्रणाली के अंतर्गत अभ्यर्थियों के लिए पंजीकरण एवं बी.फार्म पाठ्यक्रम हेतु ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शनिवार से शुरू हो गई। यह पूरी प्रक्रिया समर्थ पोर्टल के माध्यम से संचालित की जा रही है। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार, बी.फार्म में प्रवेश लेने के इच्छुक विद्यार्थियों को सबसे पहले लखनऊ विश्वविद्यालय से रजिस्ट्रेशन प्राप्त करना अनिवार्य होगा। पंजीकरण शुल्क पूर्व की तरह 100 रुपये है।

ऐसे करें पंजीकरण : अभ्यर्थियों को विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर एडमिशन सेक्शन में उपलब्ध लिंक के माध्यम से रजिस्ट्रेशन करना होगा। नए अभ्यर्थी विकल्प पर क्लिक कर अपनी लॉगिन आईडी बनाएंगे। इसके लिए एक वैध ईमेल आईडी आवश्यक होगी। लॉगिन आईडी बनने के बाद अभ्यर्थियों को दोबारा लॉगिन कर अपनी प्रोफाइल में आवश्यक जानकारी जैसे नाम, माता-पिता का नाम आदि भरना होगा। प्रोफाइल पूर्ण करने के बाद 100 रुपये का ऑनलाइन भुगतान करना होगा, जिसके बाद जनरेट हो जाएगा। अभ्यर्थी इसे डाउनलोड और प्रिंट कर सुरक्षित रख सकते हैं।

एलयू शिक्षकों के प्रमोशन को साक्षात्कार छह मई से

लखनऊ विश्वविद्यालय में शिक्षकों ने करियर एडवांसमेंट स्कीम (कैस) के तहत पदोन्नति के लिए साक्षात्कारों का विस्तृत शेड्यूल जारी कर दिया है, जो आगामी छह मई से शुरू होंगे। मई माह में विभिन्न विभागों के लिए साक्षात्कार की तिथियां सुनिश्चित की गई हैं।

HINDUSTAN

सीयूईटी पीजी में मनप्रियम की चौथी रैंक

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में बीएससी छठवें सेमेस्टर के छात्र मनप्रियम ने एएनटी द्वारा आयोजित कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट (पीजी) में आल इंडिया चौथी रैंक हासिल की है। मनप्रियम ने गणित विषय में सीयूईटी (पीजी) की परीक्षा दी थी। जिसमें उनको 300 में 259 अंक मिले। मूलरूप से लखीमपुर खीरी निवासी मनप्रियम ने इससे पहले आईआईटी जैम में 45वीं रैंक हासिल की थी।

पीएचडी के नौ विषयों की उत्तर कुंजी जारी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में पीएचडी प्रवेश परीक्षा के मद्देनजर नौ विषयों की उत्तर कुंजी जारी कर दी गई है। जिसे अभ्यर्थी एलयू की वेबसाइट पर देख सकते हैं।

इस संबंध में प्रवेश समन्वयक की ओर से निर्देश जारी कर दिए गए हैं। प्रवेश समन्वयक प्रो. अनित्य गौरव का कहना है कि अप्लाइड इकोनॉमिक्स, केमिस्ट्री, मैनेजमेंट स्टडीज, एमआईएच, प्राणिशास्त्र, भौतिक विज्ञान, मानवशास्त्र, हिन्दी और भूगर्भ विज्ञान जैसे विषयों के नतीजे जारी किए गए हैं।

एलयू में बीफार्मा के प्रवेश को आवेदनों की शुरुआत

दाखिले

लखनऊ, संवाददाता। एलयू में स्नातक स्तर के पाठ्यक्रमों में बीफार्मा के लिए आवेदन की शुरूआत हो गई है। जिसे इच्छुक अभ्यर्थी विवि की वेबसाइट पर जाकर समर्थ पोर्टल के लिंक के जरिए कर सकते हैं।

प्रवेश समन्वयक प्रोफेसर अनित्य गौरव ने बताया कि बीफार्मा की 100 सीटों के लिए आवेदन लिए जा रहे हैं। जिन अभ्यर्थियों ने सीयूईटी यूजी की परीक्षा दी है वही आवेदन करने के योग्य माने जाएंगे। अंतिम तिथि सात जून तय की गई है। प्रवेश समन्वयक के अनुसार, बीफार्मा में प्रवेश के लिए वे अभ्यर्थी अर्ह हैं जिन्होंने इंटर की परीक्षा पीसीएम या पीसीबी ग्रुप से पास की है। प्रवक्ता प्रोफेसर मुकुल श्रीवास्तव का कहना है कि क्योंकि आवेदन समर्थ पोर्टल से लिए जा रहे हैं। इसलिए अभी 100 रुपये का शुल्क देय होगा।